हरदा
नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार, 22 अक्टूबर 2015

परिचर्चा | इंदौर आईजी ने संस्कार विद्यापीठ में साइबर क्राइम पर बच्चों से की चर्चा

जुबान से निकला शब्द और सोशल साइट पर अपलोड की गई चीज वापस नहीं आती

फेसबुक पर की अपलोड फोटो नहीं होती वास्तव में डिलीट

हरदा (ब्यूरो)। जिस तरह जुबान से निकला शब्द कभी वापस नहीं आता, वैसे ही सोशल साइट पर अपलोड की गई चीज इतनी आसानी से वापस नहीं आती। यह बात साइबर क्राइम पर परिचर्चा के दौरान विद्यार्थियों से इंदौर आईजी वरूण कपूर ने कही। वरूण कपूर बुधवार सुबह 10.30 बजे हरदा के संस्कार विद्यापीठ में आयोजित साइबर क्राइम की परिचर्चा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि फेसबुक और वॉट्सएप जैसी अन्य सोशल साइट पर इमेज, वीडियो और फाइल अपलोड कर दी जाती है और जब हमें पछतावा होता है तो हम उन्हे डिलीट कर देते हैं, लेकिन वे वास्तव में डिलीट होती ही नहीं हैं।

जिस तरह से साबइर क्राइम बढ़ रहा है उससे अब मध्यप्रदेश भी अब अछूता नहीं रहा।

हरदा। बच्चों से साइबर क्राइम को लेकर चर्चा करते इंदौर आईजी वरूण कपूर।

आज मध्यप्रदेश का कोई शहर अब ऐसा नहीं बचा जो इसकी गिरफ्त में न हो। अमेरिकी कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तीन चौथाई इंटरनेट उपभोक्ता किसी न किसी तरह साइबर क्राइम का शिकार होते हैं। इनमें कंप्यूटर वायरस, ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और आइडेंटी चोरी जैसे अपराध शामिल हैं। देश में साइबर संबंधी अपराधों की घटनाओं में करीब 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी हर साल हो रही है। इस दौरान बच्चों से विभिन्न विषयों को लेकर इंदौर एसपी रेडियो संदीप गोयनका, डीएसपी इंदौर राजेंद्रसिंह वर्मा ने चर्चा की। इस दौरान बच्चों ने आईजी, एसपी और डीएसपी से प्रश्न भी किये, जिनका जवाब पुलिस अधिकारियों द्वारा दिया गया।

सेफ्टी और सिक्योरिटी का मानसिकता को विकसित करें

सफलता का कोई शॉर्टकट नही होता, प्रलोभनों से बचें

करने से पहले उस विषय में ज्यादा जानकारी लें

युवा सबसे ज्यादा हो रहे शिकार

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक साइबर अपराध पोर्नोग्राफी से संबंधित हैं। इनमें सबसे खास बात यह है कि इन वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधियों की उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच है। मध्यप्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर शहरों में अनेक बार ऐसी वारदातों को अन्जाम देने वाले अपराधी पकड़े जा चुके हैं।

पंजाब में 10 में से चार बच्चे ड्रगएडिक्ट

आईजी वरूण कपूर ने मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बच्चे यह न समझे की गरीब परिस्थिति के लोग ही नशा करते हैं। देश का सबसे ज्यादा उन्नतशील प्रदेश पंजाब है और वहां हर 10 में से चार बच्चा ड्रगएडिक्ट है।

इसलिए हमें नशे की इस आदत से हर हाल में बचना होगा। उन्होने बताया कि आर्थिक दृष्टिकोण से विश्व का नंबर वन क्राइम मादक पदार्थ की तस्करी ही है।

साइबर क्राइम से इस तरह बचें

आईजी ने बताया कि खातों के हैक होने के संदेह पर तत्काल अपना पासवर्ड बदलना ही समझदारी है। बैंकिंग लेन-देन के लिए आप अपने पर्सनल कम्प्यूटर ही इस्तेमाल करें। दूसरा व्यक्ति आपका कम्प्यूटर/एटीएम नही खोल पाए इसलिए पासवर्ड को बदलते रहें। स्पैम ई-मेल का उत्तर न दे और आकर्षक गिफ्ट या इनाम ऑफर करे तब आप अपनी पर्सनल जानकारी या बैंक अकाउंट नंबर या बैंक से संबंधित कोई भी जानकारी न भरें।